मिशन अमृत सरोवर

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में ग्रामीण विकास मंत्रालय ने विभिन्न क्षेत्रों में जल सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई पहल **मिशन अमृत सरोवर** के कार्यान्वयन में हुई प्रगति के बारे में जानकारी प्रदान की है।

मिशन अमृत सरोवर:

- **परिचय:**
  - 24 अप्रैल, 2022 को स्वतंत्रता के 75वें वर्ष पर भारत की "आज़ादी का अमृत महोत्सव" समारोह के हिस्से के रूप में मिशन अमृत सरोवर लॉन्च किया गया था।
  - इस मिशन का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट की समस्या को दूर करने के लिये **भारत के प्रत्येक ज़िले में कम-से-कम 75 अमृत सरोवरों** का निर्माण/पुनरुद्धार करना है।
  - इन जल निकायों का लक्ष्य स्थानीय स्तर पर जल स्थिरता सुनिश्चित करना है।
  - आठ केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों का मिशन के कार्यान्वयन में सक्रिय योगदान है, जिनमें **ग्रामीण विकास विभाग, भूमि संसाधन विभाग, पेयजल और स्वच्छता विभाग,** जल संसाधन विभाग, **पंचायती राज मंत्रालय**, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, रेल मंत्रालय, **सड़क, परिवहन तथा राजमार्ग मंत्रालय शामिल हैं**।
  - **भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग और भू-सूचना विज्ञान संस्थान** (Bhaskaracharya National Institute for Space Application and Geo-informatics- BISAG-N) को मिशन का तकनीकी भागीदार बनाया गया है।
    - **BISAG-N 1860 के सोसायटी पंजीकरण अधिनियम (Societies Registration Act) के तहत पंजीकृत एक स्वायत्त वैज्ञानिक सोसायटी है**। यह इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत आती है।
  - भू-स्थानिक डेटा और प्रौद्योगिकी अमृत सरोवर के निर्माण और कायाकल्प की पहचान करने तथा उसे क्रियान्वित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- **प्रगति एवं उपलब्धियाँ:**
  - अब तक पहचाने गए 1 लाख से अधिक अमृत सरोवरों में से **81,000 से अधिक अमृत सरोवरों** का काम शुरू हो चुका है तथा कुल **66,000 से अधिक अमृत सरोवरों** का **निर्माण/पुनरुद्धार किया जा चुका है।**
  - **50,000 अमृत सरोवरों ने राष्ट्रीय लक्ष्य पूरा कर लिया है, जो मिशन के समर्पण तथा प्रभावकारिता को दर्शाता है।**
- **राज्य-विशिष्ट चुनौतियाँ और प्रगति:**
  - कई राज्यों ने प्रति ज़िले 75 अमृत सरोवरों के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में सराहनीय प्रगति की है।
  - जबकि **पश्चिम बंगाल, पंजाब, तेलंगाना, केरल, तमिलनाडु, हरियाणा, बिहार और राजस्थान** जैसे कुछ राज्य दृढ़ संकल्प के साथ इस लक्ष्य को पूरा करने के कार्य में संलग्न हैं।
- **संसाधन अंतराल को कम करना:**
  - अमृत सरोवर मिशन अपने उद्देश्यों को साकार करने के लिये विभिन्न मौजूदा योजनाओं और वित्तीय अनुदान का लाभ उठाता है।
  - इस मिशन की सफलता के लिये संसाधन जुटाने हेतु **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम, प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना व उप-योजनाओं** और राज्य-विशिष्ट पहलों को शामिल किया गया है।
- **स्थानीय भागीदारी को प्रोत्साहित करना:**
  - गैर-सरकारी संसाधनों के साथ यह मिशन नागरिक जुड़ाव और सहयोग को प्रोत्साहित करता है।
  - सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देकर यह पहल उद्देश्य की पूर्ति के लिये अतिरिक्त समर्थन जुटाने का प्रयास करती है।
- **सहयोग के माध्यम से जल सुरक्षा:**
  - सरकारी एजेंसियों, तकनीकी भागीदारों और स्थानीय लोगों के बीच सहयोग इस मिशन की पहचान है जो जल सुरक्षा के बहुमुखी दृष्टिकोण पर बल देता है।
  - इस मिशन का उद्देश्य **जल के आस-पास के प्राकृतिक परिवेश को बदलना, आजीविका में सुधार करना और भावी पीढ़ियों के लिये जल की आपूर्ति सुनिश्चित करना** है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mission-amrit-sarovar